भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2400

जिसका उत्तर दिनांक 26.12.2018 को दिया जाना है ।

थोरियम का अन्वेषण

2400. श्री धर्मवीर सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने थोरियम की प्रचुरता वाले रेतीले क्षेत्रों का राज्य-वार सर्वेक्षण कराया है और उन्हें चिह्नित किया है;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या थोरियम का भंडार प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और इसकी मात्रा इन क्षेत्रों में अन्वेषण और उत्पादन के लायक है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ ।

(ख) ऐसे मुख्य निक्षेपों के नाम नीचे दिए हैं, जिनमें मोनाज़ाइट (थोरियम तथा आर ई ई अयस्क खनिज) होते हैं:

1. चावरा अवरोध पुलिन तथा पूर्वी विस्तार, जिला कोल्लम, केरल
2. मनवलाकुरुचि पुलिन बालू निक्षेप, जिला कन्याकुमारी, तमिल नाडु
3. सात्तानुकुलम टेरी बालू निक्षेप, जिला तिरुनेलवेली, तमिल नाडु
4. उवरि मनप्पाडु टेरी बालू निक्षेप, तमिल नाडु
5. नावालाडी-उवरि टेरी बालू निक्षेप, तमिल नाडु
6. कुदुरईमोली टेरी बालू निक्षेप, तमिल नाडु
7. भिमुनिपटनम पुलिन बालू निक्षेप, आंध्र प्रदेश
8. कांडीवलासा पुलिन बालू निक्षेप, आंध्र प्रदेश
9. कलिंगपटनम पुलिन बालू निक्षेप, आंध्र प्रदेश
10. श्रीकुरमम पुलिन बालू निक्षेप, आंध्र प्रदेश
11. भावनापाड पुलिन बालू निक्षेप, आंध्र प्रदेश
12. गोपालपुर पुलिन बालू निक्षेप, ओडिशा
13. छत्रपुर पुलिन बालू निक्षेप, ओडिशा
14. ब्रह्मगिरि पुलिन बालू निक्षेप, ओडिशा

(ग) भारत में थोरियम का मुख्य स्रोत मोनाज़ाइट है । परमाणु ऊर्जा विभाग (डी ए ई) की एक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (ए एम डी) के आंकड़े के आधार पर, मोनाज़ाइट के 12.47 मिलियन टन संसाधन होने का अनुमान है, जो लगभग 1 मिलियन टन थोरियम ऑक्साइड के बराबर है । थोरियम वह पदार्थ है, जिसे मोनाज़ाइट से निष्कर्षित किया जाता है तथा जिसका उपयोग भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण में किया जाना है । विश्व में, अब तक, परमाणु ऊर्जा विकास कार्यक्रम में थोरियम का उपयोग किया जाना बाकी है । तथापि, 30 KW कल्पाक्कम मिनी रिएक्टर (कामिनी), 300 MW प्रगत भारी पानी रिएक्टर (एएचडब्लूआर) आदि जैसे नाभिकीय ईंधन चक्र में थोरियम के उपयोग की प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान के क्षेत्र में काफी काम किया जा चुका है । डी ए ई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन, एक सी पी एस ई, इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आई आर ई एल) का अधिदेश है, मोनाज़ाइट पर प्रक्रिया करना तथा भावी उपयोग के लिए थोरियम का स्टॉक जमा करके रखना ।

* * * * * * *